लड़कियां कुछ भी बन सकती हैं

नोरमा, चित्र : रॉय, हिंदी : विदूषक

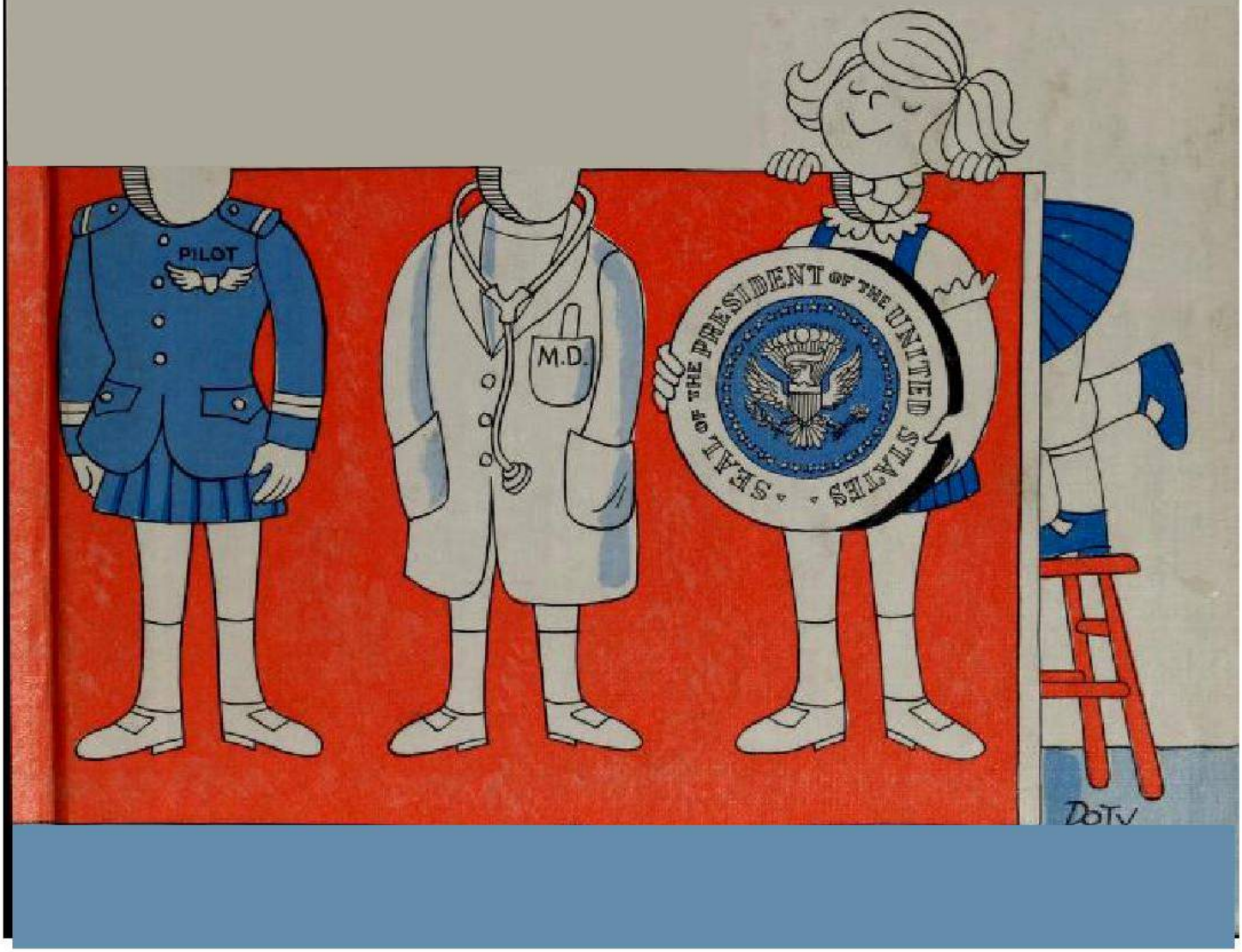

लड़कियां कुछ भी बन सकती हैं

नोरमा, चित्र : रॉय, हिंदी : विदूषक

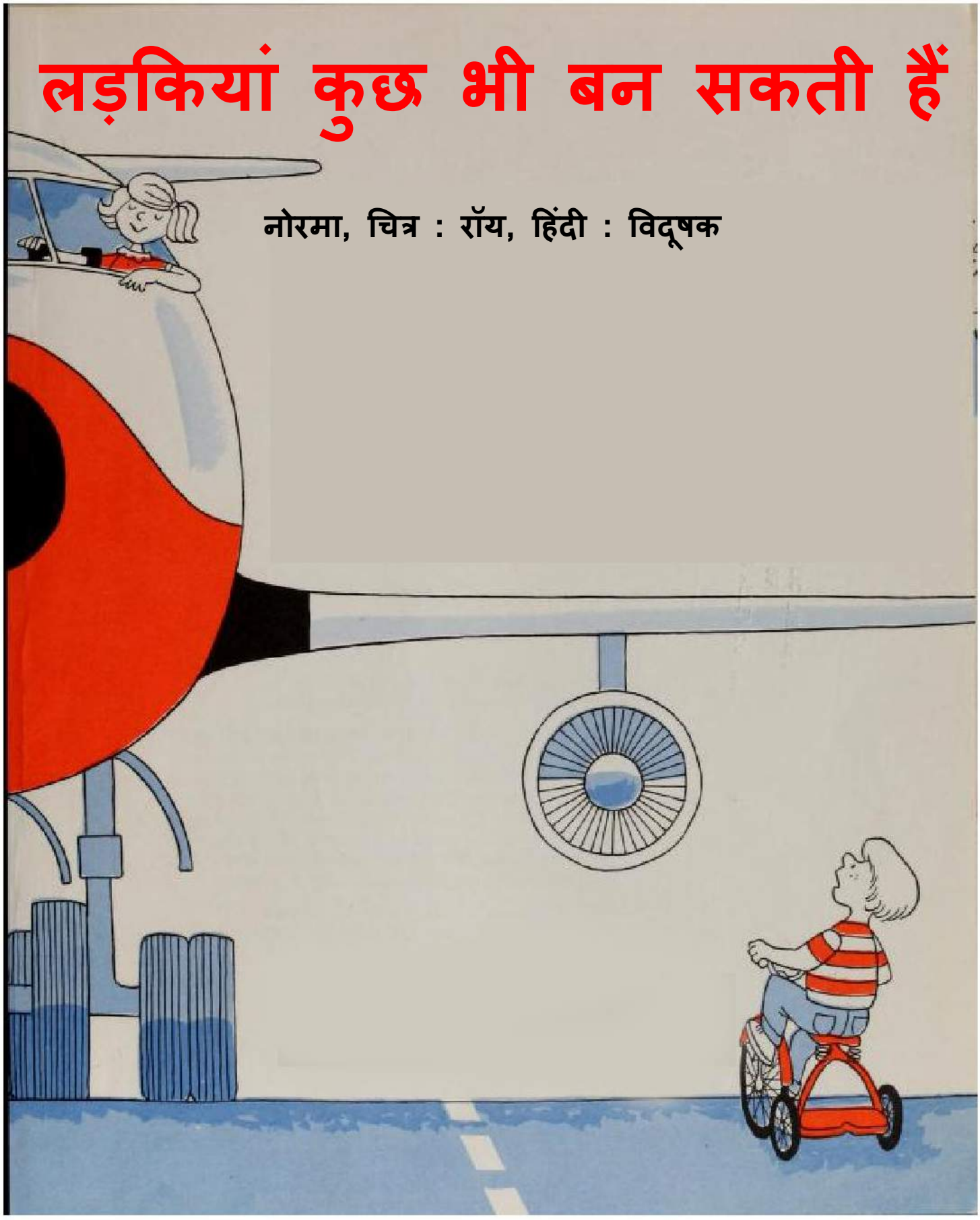

“अब हम अस्पताल-अस्पताल खेलेंगे,” एडम सोबेल ने कहा. “मैं डॉक्टर बनूँगा और तुम नर्स बनना.”

एडम सोबेल, मरीना का सबसे अच्छा मित्र था. दोनों किंडरगारटेन में पढ़ते थे. दोनों एक ही बस में स्कूल जाते थे. वो स्कूल के मैदान के एक-साथ बैठते और मछली पकड़ने की नक़ल करते थे. पूरे क्लास में वो दोनों ही “शेर” की जिगसा-पहेली के सभी टुकड़े सही तरह से जोड़ सकते थे. अक्सर मरीना को एडम द्वारा सुझाए खेल अच्छे लगते थे. पर इस बार मरीना ने कहा, “नहीं, मैं भी डॉक्टर बनना चाहती हूँ.”

“अगर मैं डॉक्टर हूँ, फिर तुम डॉक्टर कैसे बन सकती हो?” एडम ने कहा.

“क्यों नहीं?” मरीना ने कहा.

“देखो, दो डॉक्टर नहीं हो सकते,” एडम ने कहा.

“अच्छा फिर तुम नर्स बनो और मैं डॉक्टर बनूंगी,” मरीना ने कहा.

“ऐसा नहीं होता है,” एडम ने कहा. उसने कपड़ों के डिब्बे में से डॉक्टर का सफ़ेद कोट निकालकर पहनना शुरू किया. “देखो लड़कियां हमेशा नर्स बनती हैं, और लड़के हमेशा डॉक्टर बनते हैं.”

“ऐसा क्यों होता है?” मरीना ने पूछा.

“हमेशा ऐसा ही होता है,” एडम ने कहा. “नर्स, कृपा कर मुझे डॉक्टर का स्टैथौस्कोप (आला) उठा कर दो?”

उस रात मरीना ने भोजन के समय अपने पिताजी से कहा, “मुझे स्कूल में एडम सोबेल बिल्कुल अच्छा नहीं लगता है.”

“सच में?” पिताजी ने कहा. “मुझे तो लगता था कि वो तुम्हारा सबसे प्रिय मित्र है.”

“ऐसा कभी था,” मरीना ने कहा, “क्या आपको पता है कि आज उसने क्या कहा?”

“क्या?” पिताजी ने पूछा.

“उसने कहा कि लड़कियां डॉक्टर नहीं बन सकती हैं. वो सिर्फ नर्स ही बन सकती हैं.”

“यह बात सही नहीं है, बिल्कुल गलत बात है!” पिताजी ने कहा. “लड़कियां बिल्कुल डॉक्टर बन सकती हैं.”

“सच में?” मरीना ने पूछा.

“हाँ, बिल्कुल,” पिताजी ने जवाब दिया. “देखो, तुम्हारी आंटी रोसा एक डॉक्टर हैं. तुम यह जानती हो.”

“पर क्या वो सचमुच की डॉक्टर हैं?” मरीना ने पूछा.

“वो बिल्कुल असली डॉक्टर हैं. वो बीमार लोगों का इलाज करती हैं,” पिताजी ने कहा.

“क्या वो अस्पताल में काम करती हैं और सफ़ेद यूनिफार्म पहनती हैं?” मरीना ने पूछा.

“हाँ वो बिल्कुल वही करती हैं,” पिताजी ने कहा. “असल में वो उसी अस्पताल में काम करती हैं जहाँ तुम पैदा हुई थीं. क्या तुम्हें पता है वो वहां क्या करती हैं?”

“क्या?” मरीना ने पूछा.

“वो एक सर्जन हैं और ऑपरेशन करती हैं,” पिताजी ने कहा. “वो एक बहुत कठिन काम है, समझीं.”

अगले दिन स्कूल में मरीना ने एडम से कहा, “मेरी एक आंटी हैं जो डॉक्टर हैं. वो पेशे से एक सर्जन हैं.”

“क्या वो सचमुच की डॉक्टर हैं?” एडम जानना चाहता था.

“हाँ, वो सचमुच की डॉक्टर हैं,” मरीना ने कहा. “वो कभी-कभी हमारे घर खाना खाने भी आती हैं. वो काम के समय सफ़ेद यूनिफार्म पहनती हैं.... बहुत सारी महिलाएं डॉक्टर हैं. मैं भी बड़े होकर शायद डॉक्टर बनूँ. पर मैं जानवरों की देखभाल करने वाली डॉक्टर बनूंगी.”

“जानवरों के डॉक्टर को वेटरनरी डॉक्टर कहते हैं,” एडम ने कहा. उसे कई बड़े शब्द पता थे.

“तब मेरा खुद का अपना अस्पताल होगा. फिर बीमार कुत्ते और बिल्लियाँ मेरे पास आयेंगी और मैं उनका इलाज करूंगी,” मरीना ने कहा. “मैं उस तरह की जानवरों की डॉक्टर बनना चाहती हूँ.”

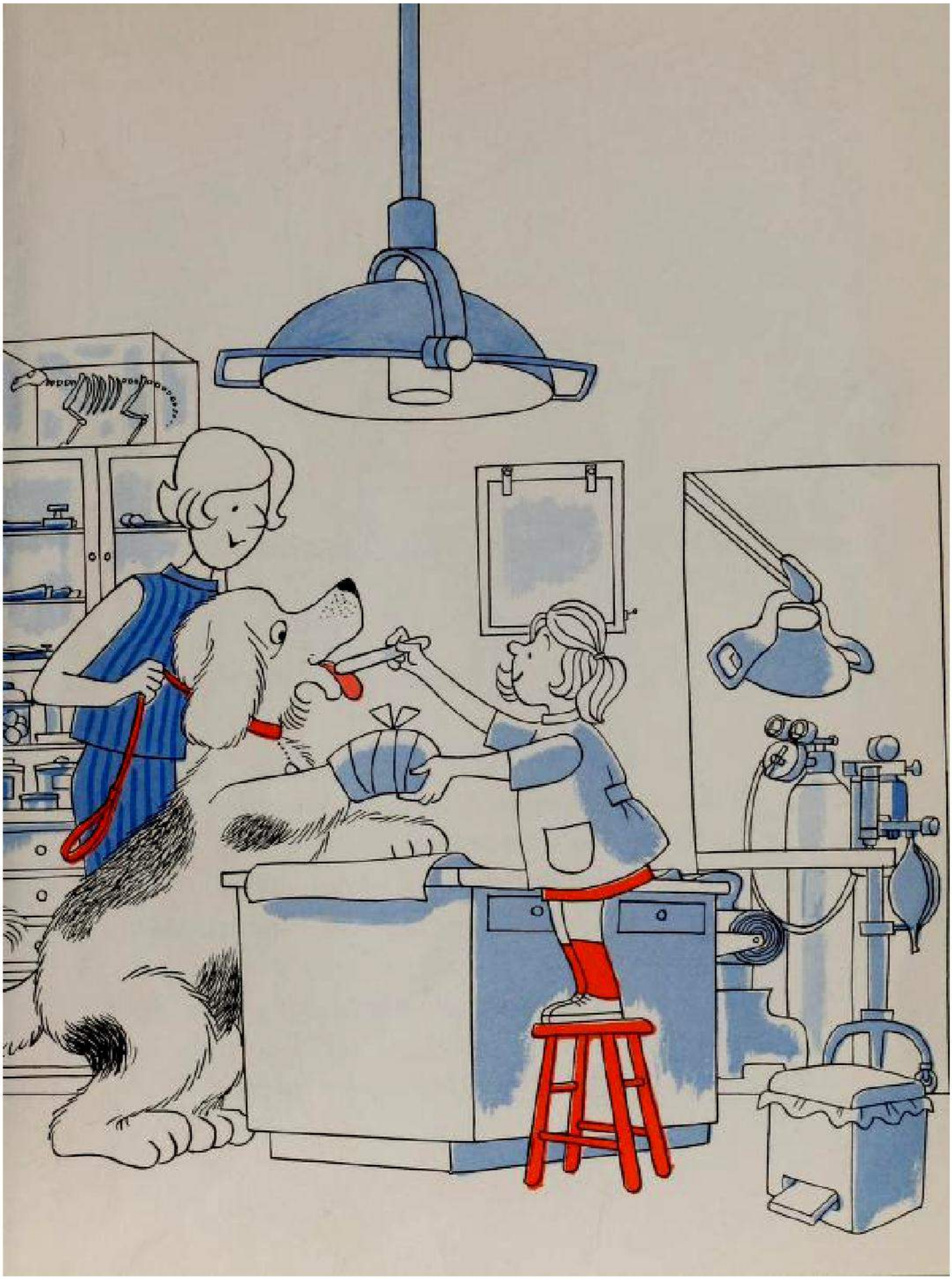

“मैं डॉक्टर बिल्कुल नहीं बनना चाहता हूँ,” एडम ने कहा.

“फिर तुम क्या बनना चाहते हो?” मरीना ने पूछा.

“मुझे लगता है, बड़े होकर मैं एक पायलट बनूँगा,” एडम ने कहा.

“यानि तुम्हारा खुद का अपना हवाई-जहाज़ होगा जिसे तुम एक जगह से दूसरी जगह उड़ाकर ले जाओगे?”

“हाँ ऐसा ही होगा,” एडम ने कहा. “चलो, अभी हम हवाई-जहाज़ का खेल खेलते हैं?”

“ठीक है,’ मरीना ने कहा. “पर हवाई-जहाज़ का खेल कैसे खेलते हैं?”

“देखो,” एडम ने कहा, “यह हमारा हवाई-जहाज़ है. मैं आगे बैठकर उसे चलाऊँगा.”

“फिर मैं क्या करूंगी?” मरीना ने पूछा.

“तुम एयर-होस्टेस बनना,” एडम ने कहा. “तुम हवाई-जहाज़ में आगे-पीछे चलना और लोगों को खाना-पीना देना.”

फिर मरीना ने कुछ कागज़ के कपों में पानी भरा. वो हवाई-जहाज़ में आगे-पीछे चली और उसने काल्पनिक मुसाफिरों को कप पकड़ाए. उसने हरेक से नम्रता से पूछा कि उन्हें क्या चाहिए - चाय, कॉफ़ी या जूस.

अंत में मरीना एडम के पास पहुंची और उसने उससे पूछा, “तुम यहाँ क्या कर रहे हो?”

“मैं तो अभी भी हवाई-जहाज़ चला रहा हूँ,” एडम ने कहा. “देखो बाहर मौसम ख़राब है. हमें इमरजेंसी में क्रेश-लैंडिंग करनी पड़ेगी. ज़रा बाहर देखो.”

“क्या तुम्हें पता है?” मरीना ने कहा.

“क्या?” एडम उस स्थान पर अपना ध्यान केन्द्रित कर रहा था जहाँ उसे हवाई-जहाज़ को उतारना था.

“मुझे लगता है मैं भी पायलट बनना चाहती हूँ,” मरीना ने कहा.

“तुम पायलट नहीं बन सकती हो,” एडम ने कहा.

“अगर मैं चाहूँ तो मैं अवश्य पायलट बन सकती हूँ,” मरीना ने कहा.

“लड़कियां कभी पायलट नहीं बन सकती हैं,” एडम ने कहा. “वो सिर्फ एयर-होस्टेस ही बन सकती हैं.”

“यह बेकार की बात है,” मरीना ने कहा. फिर मरीना वहां से गई और खुद का अपना काल्पनिक हवाई-जहाज़ उड़ाने लगी.

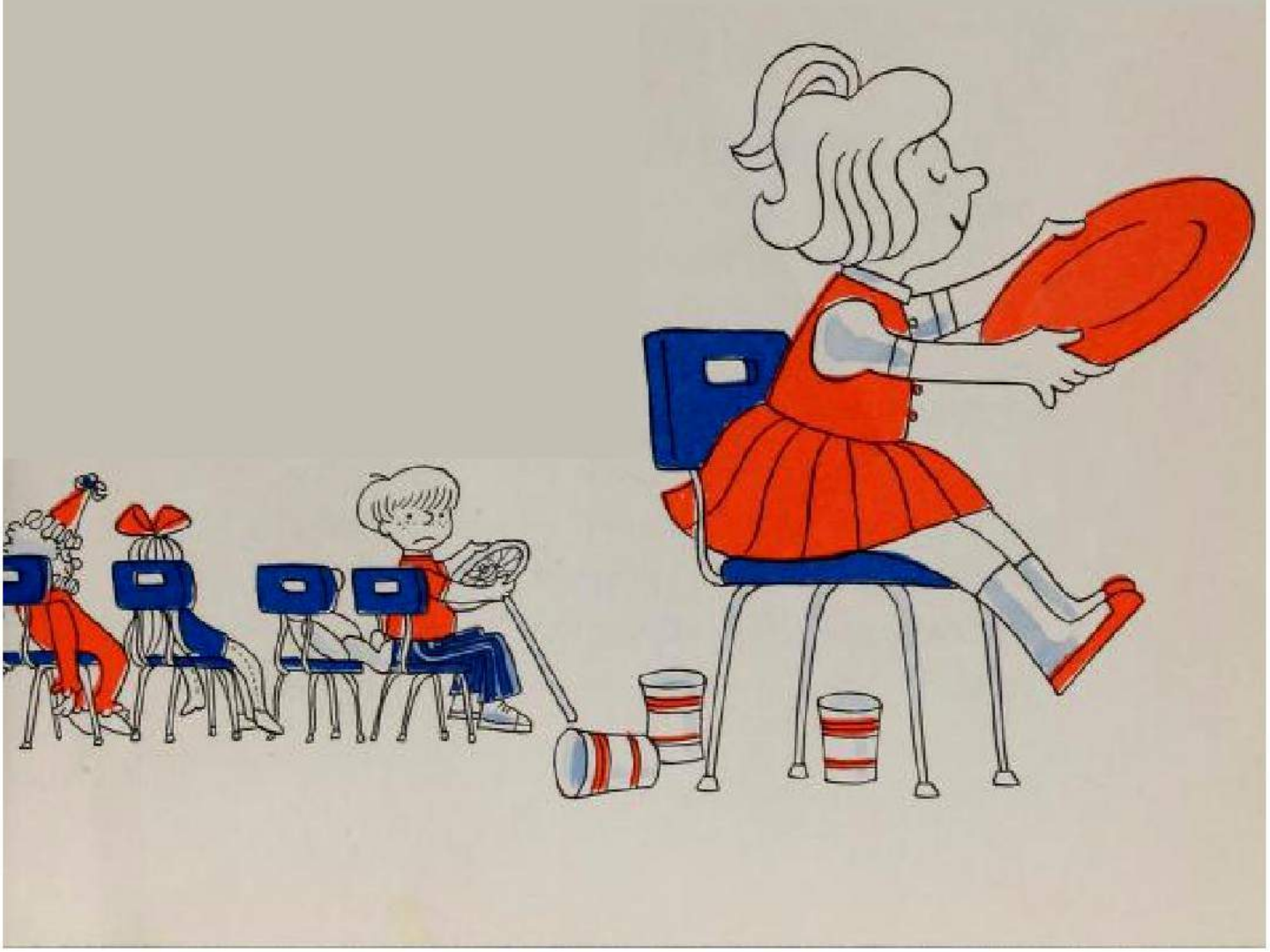

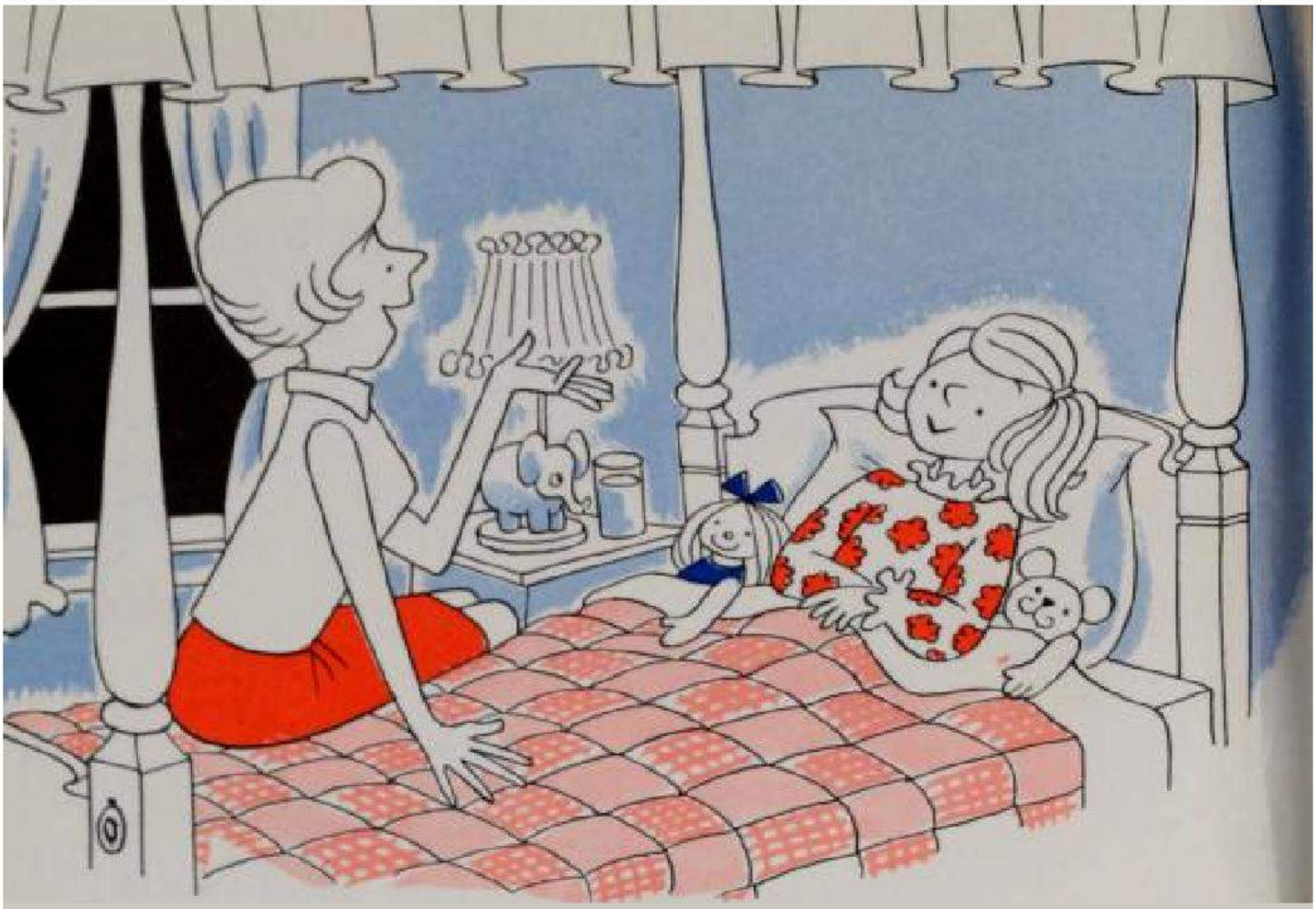

रात में सोते समय मरीना ने पलंग पर अपनी माँ से कहा, “एडम सोबेल एक बहुत ख़राब लड़का है.”

“सच में?” माँ ने पूछा. “उसना क्या किया?”

“उसने कहा कि लड़कियां हवाई-जहाज़ नहीं चला सकती हैं,” मरीना ने कहा. “उसने कहा कि लड़कियां सिर्फ एयर-होस्टेस ही बन सकती हैं.”

“यह बात तो सच नहीं है,” माँ ने कहा.

“तब उसने ऐसा क्यों कहा?” मरीना ने पूछा.

“शायद उसे पता ही न हो,” माँ ने उत्तर दिया. “कल ही तो अखबार में एक महिला की तस्वीर छपी थी. वो पिछले पंद्रह सालों से खुद अपना हवाई-जहाज़ उड़ा रही हैं.”

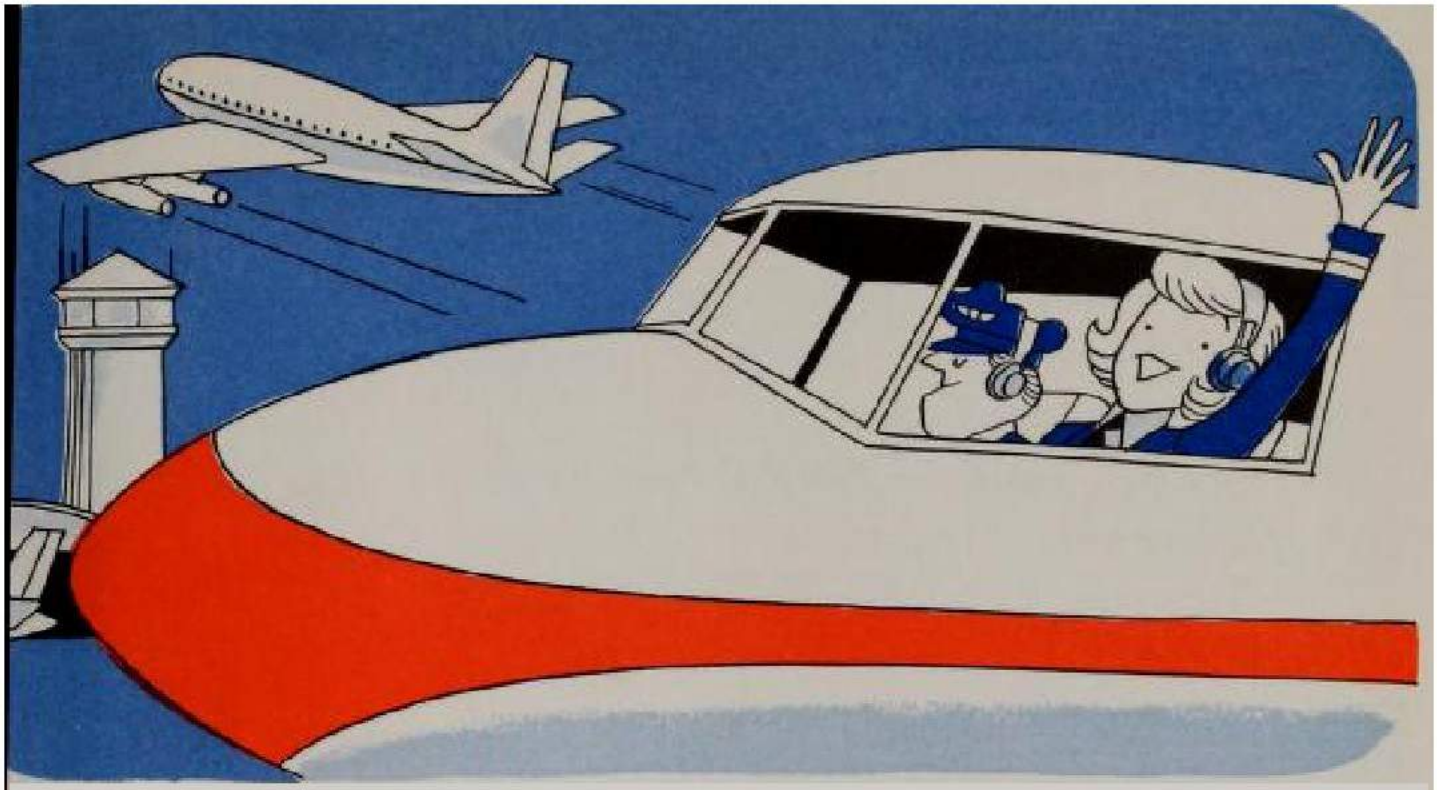

“क्या उनके हवाई-जहाज़ में मुसाफिर भी बैठते हैं?” मरीना ने पूछा.

“बिल्कुल, हाँ!” माँ ने कहा.

“क्या वो खुद अकेले हवाई-जहाज़ को चलाती है?” मरीना ने पूछा.

“उसके साथ एक सहायक को-पायलट भी होता है,” माँ ने कहा. “पायलट के साथ मदद के लिए हमेशा एक को-पायलट होता है.”

“मम्मी?”

“हाँ, बेटी.”

“अगर मैं पायलट बनी, तो क्या आप और पिताजी मेरे साथ हवाई-जहाज़ में सफ़र करेंगे?”

“ज़रूर, पक्का.”

“क्या मैं एक अच्छी पायलट बनूंगी? आप क्या सोचती हैं?” मरीना ने पूछा.

“मुझे लगता है तुम बहुत अच्छी पायलट बनोगी,” माँ ने कहा.

अगले दिन मरीना ने स्कूल में एडम से कहा, “आज तुम मेरे को-पायलट बनो. आज मैं पायलट बनूंगी – बिल्कुल वैसी ही जैसे वो महिला पायलट थी, जिसकी अखबार में खबर छपी थी. उसका अपना खुद का हवाई-जहाज़ था.

“कौन महिला?” एडम ने पूछा.

“मुझे लगता है तुमने अखबार में उसकी फोटो नहीं देखी,” मरीना ने कहा. “उसके हवाई-जहाज़ में मुसाफिरों के साथ-साथ बाकी सबकुछ भी था. उसके माता-पिता भी हवाई-जहाज़ में उसके साथ सफ़र कर रहे थे.”

“उस हवाई-जहाज़ में एयर-होस्टेस कौन थी?” एडम ने पूछा.

“वो सेल्फ-सर्विस वाला हवाई-जहाज़ था,” मरीना ने जवाब दिया. “उसमें पीछे एक मशीन लगी थी. मशीन में सिक्का डाल कर मुसाफिर अपनी मर्ज़ी की ड्रिंक खरीद सकते थे.”

“अरे, यह तो बहुत ही बढ़िया आईडिया है,” एडम ने कहा. फिर उसने मरीना को पायलट बनने दिया. एडम खुद को-पायलट बना. उसने नक्शा पढ़कर मरीना को बताया कि उसे किस दिशा में उड़ना है. बीच में मौसम ख़राब होने के कारण उन्हें क्रेश-लैंड करना पड़ा पर मरीना ने हवाई-जहाज़ को सावधानी से एक घास के मैदान में उतारा और फिर सब लोग सुरक्षित बाहर उतरे.

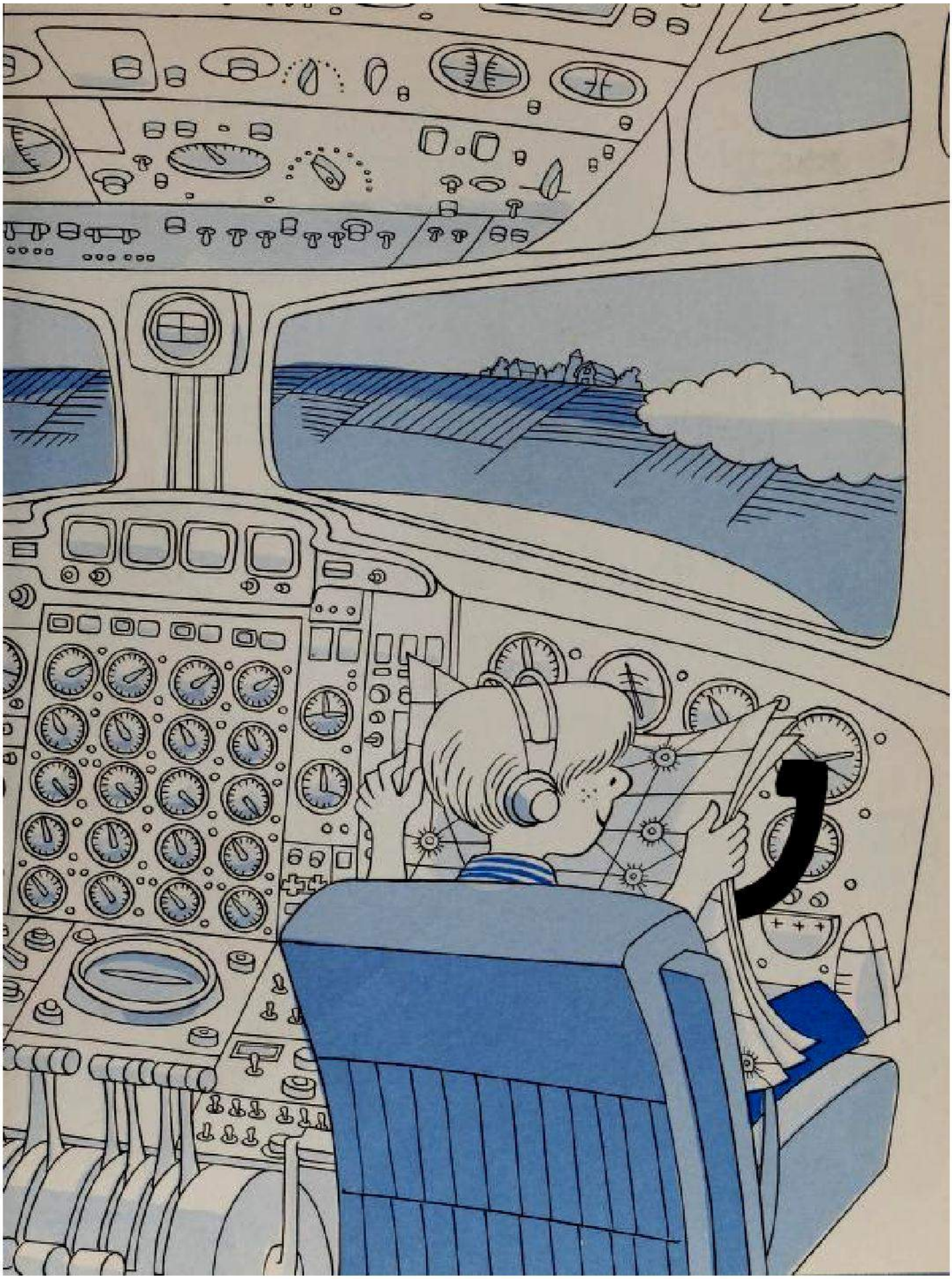

उस दिन दोपहर के बाद मिसेस डार्लिंग ने बच्चों को राजा-रानी की एक कहानी सुनाई. दोनों राजा-रानी, लाल सुर्ख रंग के राजसी कपड़े पहने थे और उनके सिरों पर सोने के मुकुट थे.

स्कूल बस में वापिस घर लौटते वक्त मरीना ने कहा, "राजा और रानी का खेल, खेलने में भी बहुत मज़ा आएगा."

दो मिनट सोचने के बाद एडम ने कहा, "नहीं."

"तुम भी लाल कपड़े पहन सकते हो," मरीना ने कहा. "तुम सिर पर मुकुट भी पहन सकते हो."

एडम ने "न" में अपना सिर हिलाया. "वो आरामदेह नहीं होगा. वैसे भी राजा-रानी कुछ ख़ास नहीं करते हैं. वो खेल काफी उबाऊ होगा."

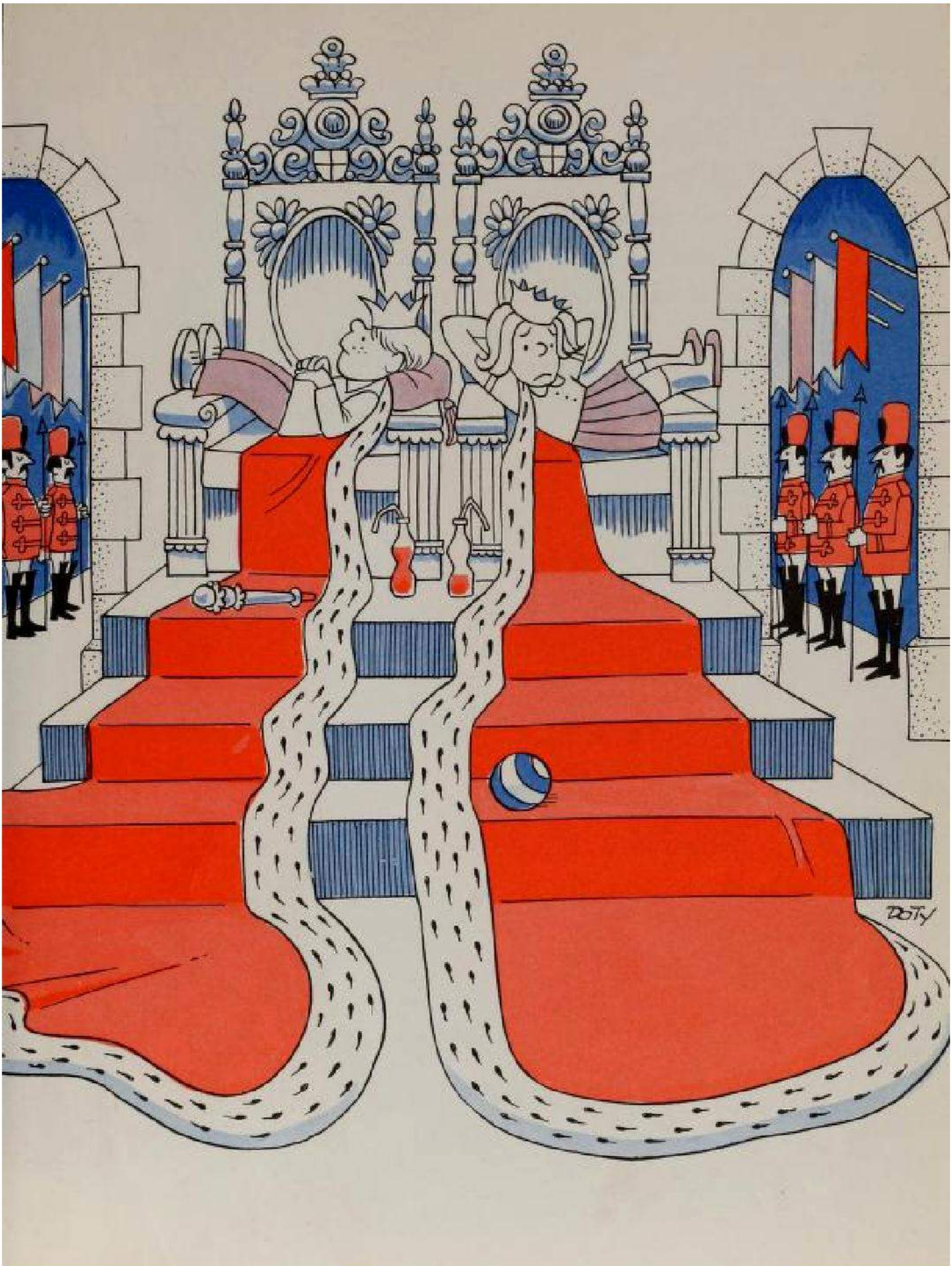
DOTY

“शायद यह सच भी हो,” मरीना ने कहा.

“वैसे मेरी इच्छा प्रेसिडेंट बनने की है,” एडम ने कहा, “प्रेसिडेंट बनना, राजा बनने से ज्यादा अच्छा होगा.”

“देश का प्रेसिडेंट?” मरीना ने जानना चाहा.

“बिल्कुल ठीक,” एडम ने कहा.

“तुम प्रेसिडेंट बनने के बाद क्या करोगे?” मरीना ने पूछा.

“अरे,” एडम ने उत्तर दिया, “प्रेसिडेंट बनने के बाद मैं एक विशाल कमरे में एक बड़ी डेस्क पर बैठूंगा. फिर मैं महत्वपूर्ण कागजों पर हस्ताक्षर करूंगा और फिर हरेक को मेरा कहना मानना पड़ेगा.”

“फिर कल हम प्रेसिडेंट वाला खेल, खेल सकते हैं,” मरीना ने कहा.

“ठीक है,” एडम ने कहा.

“तुम मेरी पत्नी बन सकती हो.”

“तुम्हारी पत्नी बनने के बाद मुझे क्या करना होगा?” मरीना ने पूछा.

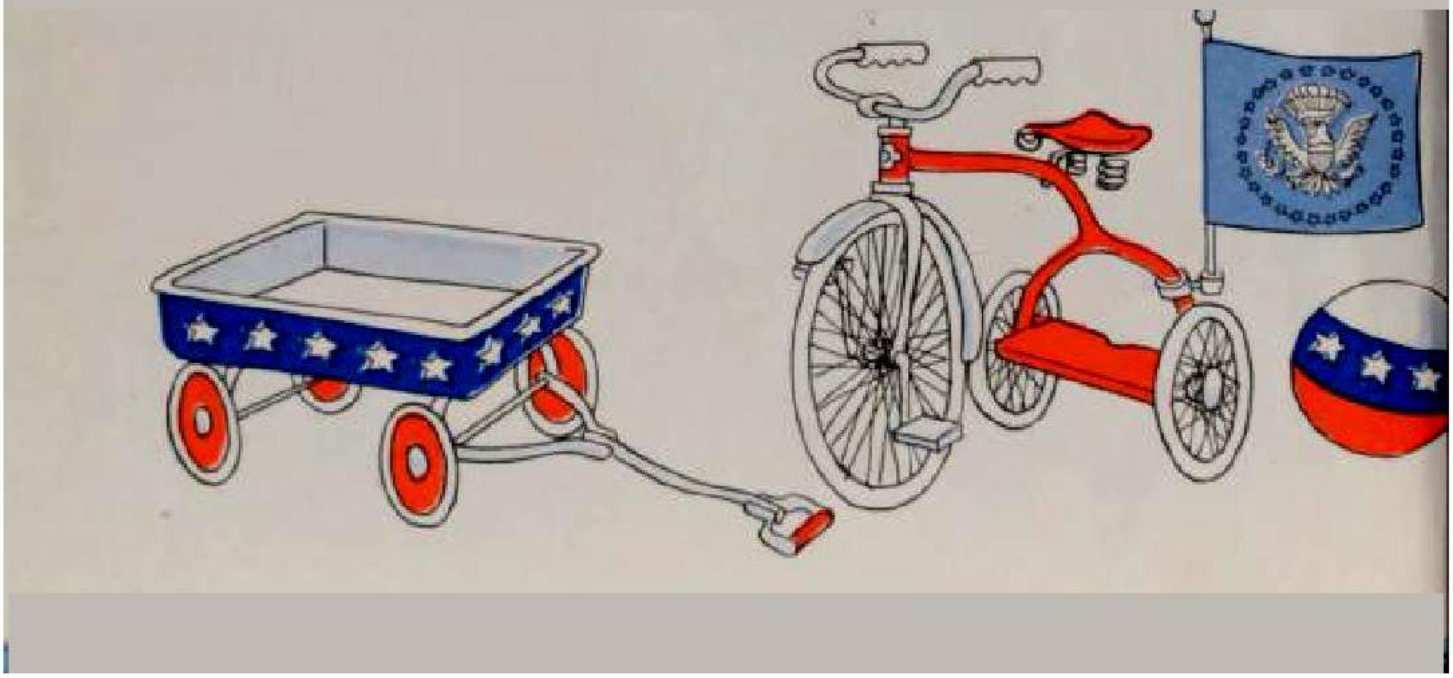

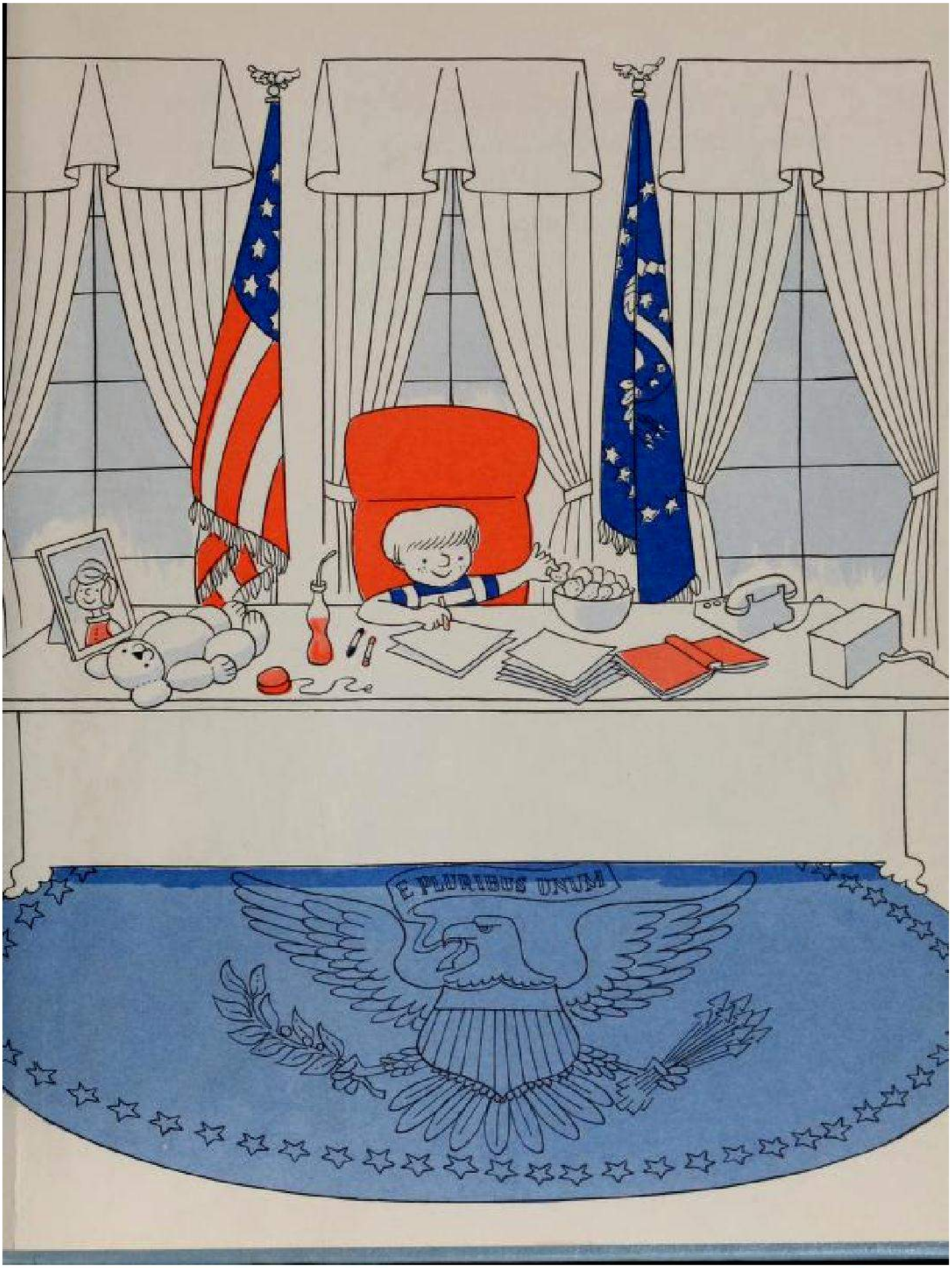
E PLURIBUS UNUM

“देखो, घर लौटने से पहले तुम मेरे लिए खाना पका कर रख सकती हो, और अखबार मेज़ पर रख सकती हो,” एडम ने कहा. “कभी-कभी तुम मेरे साथ कार में सवारी कर सकती हो और सड़क पर झंडे लिए खड़े लोगों की तरफ हाथ हिलाकर उनका अभिवादन कर सकती हो.”

“यह खेल काफी मजेदार लगता है,” मरीना ने कहा, “बस एक बात और है एडम?”

“सुनो,” एडम ने कहा. “एक बात मुझे पता है. आजतक कभी कोई महिला प्रेसिडेंट नहीं बनी है.”

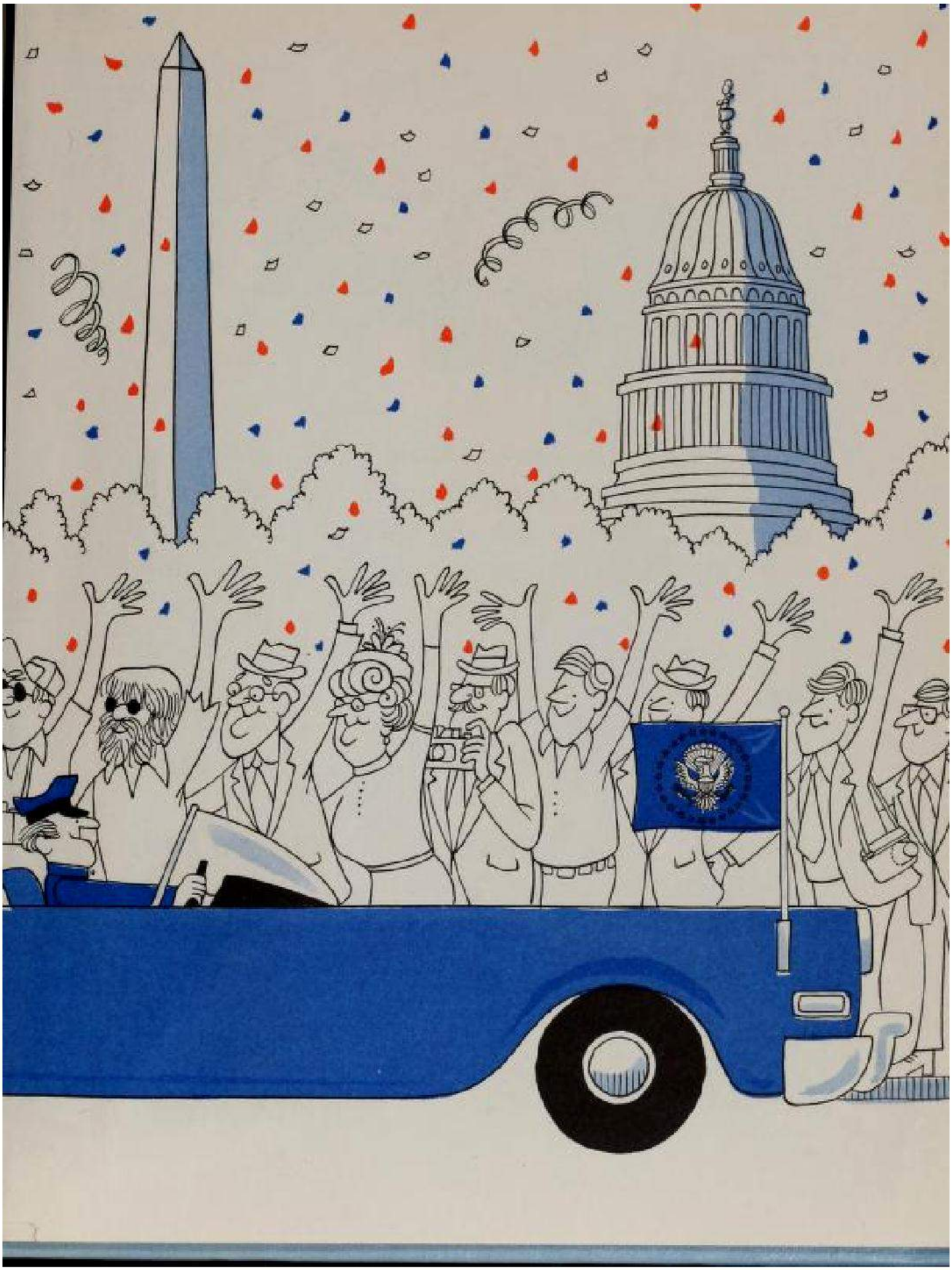

उस रात को मरीना ने अपने माता-पिता से कहा, “मुझे समझ नहीं आता कि मैं एडम सोबेल के साथ क्या करूं. वो बड़ी उल्टी-सुल्टी बातें करता है.”

“आज उसने क्या गलत बात कही?” पिताजी ने पूछा.

“उसने कहा कि आजतक कभी कोई महिला, प्रेसिडेंट नहीं बनी है,” मरीना ने कहा.

कुछ देर शांति रही. कोई कुछ नहीं बोला.

“वो बिल्कुल बेअकल लड़का है!” मरीना ने कहा. “एकदम बुद्धू.”

“यह सच है कि अमरीका में आजतक कोई महिला, प्रेसिडेंट नहीं बनी है,” माँ ने कहा.

“पर क्या और देशों में महिलायें प्रेसिडेंट बनी हैं?” मरीना ने पूछा.

“अन्य देशों में बहुत सी महिलाओं ने महत्वपूर्ण पद संभाले हैं,” पिताजी ने कहा. “मिसेस इंदिरा गाँधी ने भारत में, और मिसेस गोल्डा मेईर ने इजराइल में.”

गोल्डा मेईर

इंदिरा गाँधी

अगले दिन सुबह को मरीना ने एडम से कहा, “एडम, तुम एक पायलट या डॉक्टर बन सकते हो. पर क्या तुम्हें पता है कि मैं क्या बनूंगी?”

“क्या?” एडम ने पूछा.

“मैं अमरीका की पहली महिला प्रेसिडेंट बनूंगी!.... तुम चाहो तो मेरे पति बन सकते हो.”

“तब मुझे क्या करना होगा?” एडम ने पूछा.

“तुम हमारा हवाई-जहाज़ उड़ा सकते हो और मुझे एक जगह से दूसरी जगह भाषण देने के लिए ले जा सकते हो,” मरीना ने कहा.

“तुम्हारी राय में लड़कियां जो चाहें वो बन सकती हैं,” एडम ने कहा.

“हाँ, आज के माहौल में यह बिल्कुल सच है,” मरीना ने कहा. “क्या तुम मुझे भाषण देने के लिए हवाई-जहाज़ में उड़कर लेकर जाओगे?”

“ठीक है, पर तुम्हारा भाषण ख़त्म होने के बाद तुम मुझे उड़ा कर वापिस लेकर आना जिससे मैं अपना भाषण दे सकूं,” एडम ने कहा.

“ठीक है,” मरीना के कहा.

उसके बाद एडम हवाई-जहाज़ को वहां उड़ाकर ले गया जहाँ मरीना को अपना भाषण देना था. और वहां मरीना ने अपना भाषण दिया.

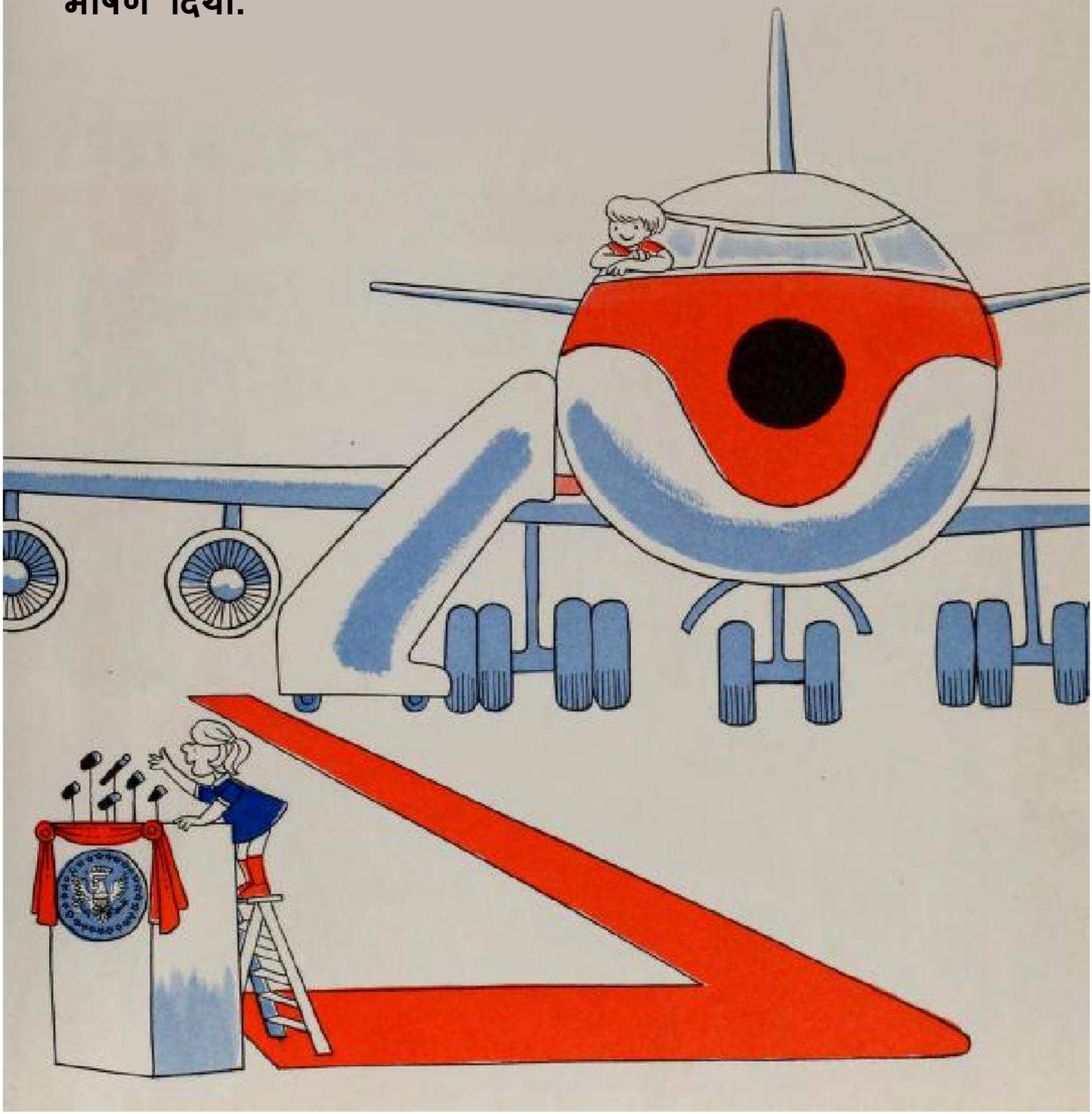

फिर लौटते वक्त मरीना, हवाई-जहाज़ को उड़ाकर वहां वापिस लाई जहाँ एडम को अपना भाषण देना था.

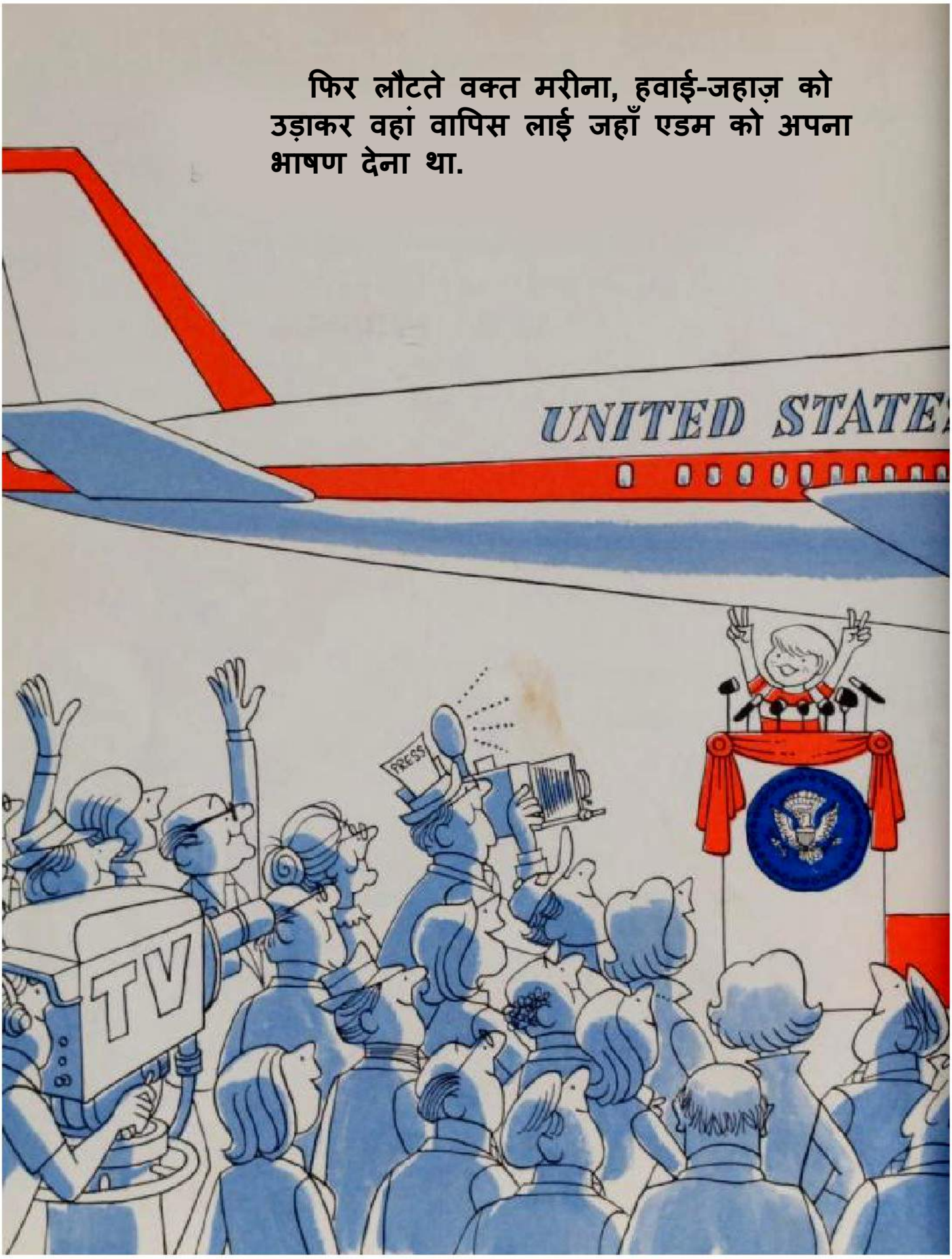

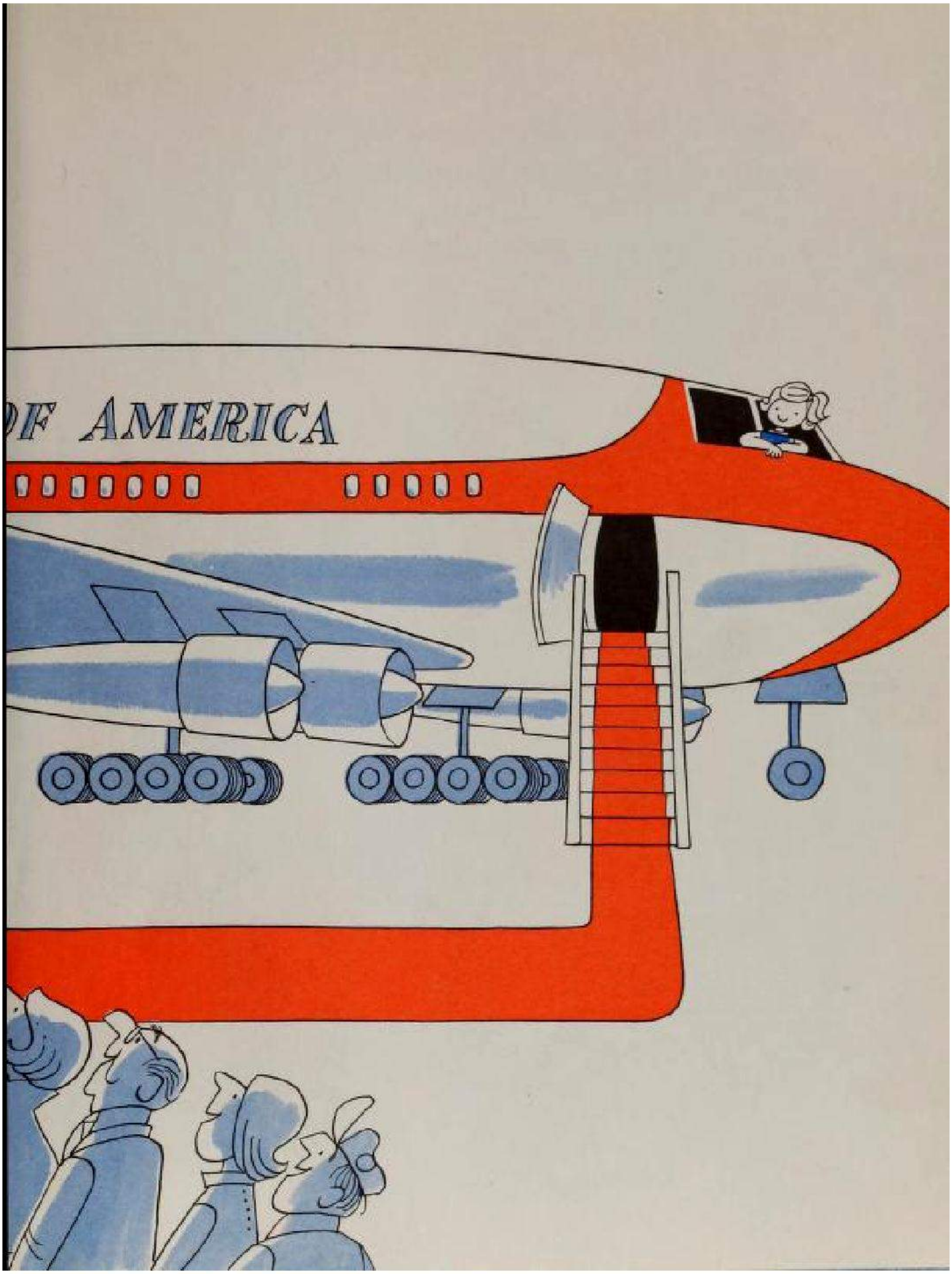
OF AMERICA

उसके बाद में प्रेसिडेंट ने एक बहुत बड़ा भोज दिया जिसमें आलू के चिप्स, कोको-कोला, लोल्लीपोप, जूस और अन्य खाने की मनपसंद चीज़ें थीं.

दोनों प्रेसिडेंट्स को खाना बहुत स्वादिष्ट लगा.

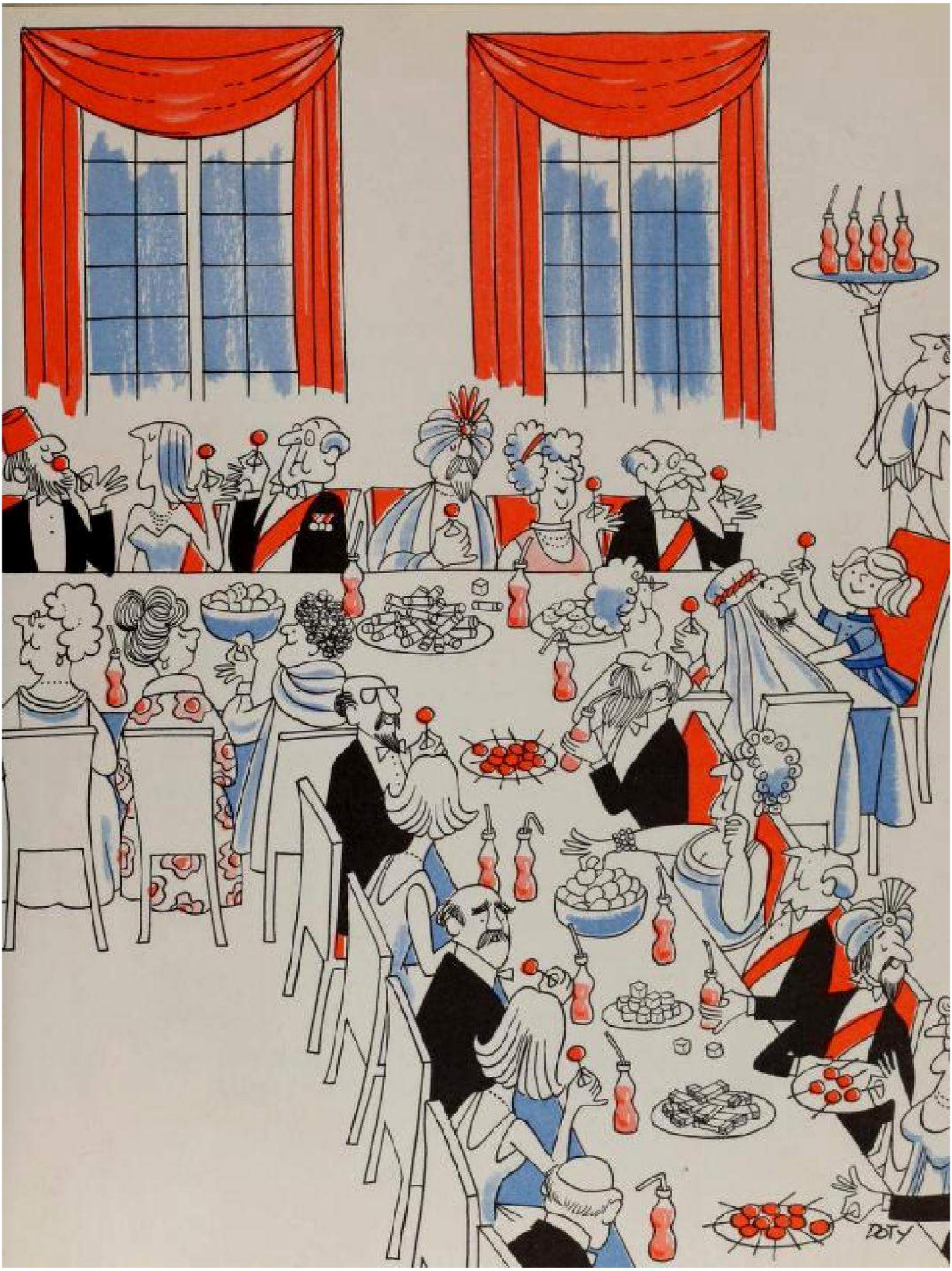
DOTY